



कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

खण्ड कार्यालय उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण) अम्बेडकरनगर।

चरित्र विकास भवन साबुन गली अकबरपुर-224122

eeupjn.cdambedkarnagar@gmail.com

पत्रांक:- 7104

विषय-03

87

दिनांक- 22/08/2026

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता(ग्रामीण)

उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण)

लखनऊ।

विषय:- सोशल मीडिया में प्रकाशित शीर्षक "जैनापुर में करोड़ों खर्च, घरों तक नहीं पहुंचा पानी" के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक सोशल मीडिया में प्रकाशित शीर्षक "जैनापुर में करोड़ों खर्च, घरों तक नहीं पहुंचा पानी" की आख्या निम्नवत है-

क्र०सं०	प्रकाशित खबर	आख्या
1.	जैनापुर ग्राम सभा में केंद्र और प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि करोड़ों रुपये खर्च कर गांव में पाइपलाइन बिछाई गई और घर-घर नल लगाए गए, लेकिन दो वर्षों से नियमित पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई है। इसके चलते घरों में लगे नल सिर्फ दिखावा बनकर रह गए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कभी-कभार केवल 10 मिनट के लिए पानी आता है, जिसके बाद कई दिनों तक आपूर्ति ठप रहती है। योजना के तहत बनाई जा रही पानी की टंकी भी पिछले दो वर्षों से अधूरी पड़ी है, जिससे पूरे प्रोजेक्ट की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की जानी थी, तो घर-घर पाइपलाइन बिछाने का कोई औचित्य नहीं था। उनका तर्क है कि अधिकांश घरों में पहले से हैंडपंप उपलब्ध हैं, जिनसे लोग अपनी दैनिक जरूरतें पूरी कर रहे हैं। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि इस योजना का लाभ आम जनता को कम और निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदारों को अधिक मिला है। गांव के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हुई, तो वे संबंधित अधिकारियों के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे। कई ग्रामीणों ने बेकार पड़ी पाइपलाइन को हटाने की मांग भी उठाई है। राजू, अनिल, मुकेश, जगदंबा, रामनरेश, सुभाष, अरविंद, राकेश सहित कई ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर अधूरी परियोजना को शीघ्र पूरा कराने और नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।	सादर अवगत कराना है विकास खण्ड-जलालपुर के अन्तर्गत गुवाव पाकड़ जैनापुर पाइप पेयजल योजना के सम्बन्ध में सहायक अभियन्ता श्री अभिषेक वर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त पेयजल योजना के अन्तर्गत पम्प हाउस, बाउण्ड्रीवाल, सोलर पैनर, 788 नग नल कनेक्शन के सापेक्ष 576 एवं पाइप लाइन 25.203 किमी० के सापेक्ष 23.453 किमी० पाइप लाइन एवं शिरोपरी जलाशय का कार्य 75 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। उक्त योजना के समस्त कार्यों को माह-दिसम्बर-2026 तक पूर्ण कर सभी मजरो में नियमित जलापूर्ति की जाएगी।

भवदीय

अधिशासी अभियन्ता

पृ०सं० एवं दिनांक यथोपरि:-

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- जिलाधिकारी महोदय अम्बेडकरनगर।
- 2- मुख्य विकास अधिकारी महोदय अम्बेडकरनगर।
- 3- मुख्य अभियन्ता(ल०क्षे०) उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण) लखनऊ।
- 4- अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण) अयोध्या।

अधिशासी अभियन्ता



कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

खण्ड कार्यालय उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण) अम्बेडकरनगर।

चरित्र विकास भवन साबुन गली अकबरपुर-224122

eeupjn.cdambdkarnagar@gmail.com

पत्रांक:- 7104 / विविध-03 / 87

दिनांक- 22/08/2023

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता(ग्रामीण)

उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण)

लखनऊ।

विषय:- सोशल मीडिया में प्रकाशित शीर्षक "जैनापुर में करोड़ों खर्च, घरों तक नहीं पहुंचा पानी" के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक सोशल मीडिया में प्रकाशित शीर्षक "जैनापुर में करोड़ों खर्च, घरों तक नहीं पहुंचा पानी" की आख्या निम्नवत है-

क्र०सं०	प्रकाशित खबर	आख्या
1.	जैनापुर ग्राम सभा में केंद्र और प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि करोड़ों रुपये खर्च कर गांव में पाइपलाइन बिछाई गई और घर-घर नल लगाए गए, लेकिन दो वर्षों से नियमित पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई है। इसके चलते घरों में लगे नल सिर्फ दिखावा बनकर रह गए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कभी-कभार केवल 10 मिनट के लिए पानी आता है, जिसके बाद कई दिनों तक आपूर्ति ठप रहती है। योजना के तहत बनाई जा रही पानी की टंकी भी पिछले दो वर्षों से अधूरी पड़ी है, जिससे पूरे प्रोजेक्ट की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की जानी थी, तो घर-घर पाइपलाइन बिछाने का कोई औचित्य नहीं था। उनका तर्क है कि अधिकांश घरों में पहले से हैंडपंप उपलब्ध हैं, जिनसे लोग अपनी दैनिक जरूरतें पूरी कर रहे हैं। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि इस योजना का लाभ आम जनता को कम और निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदारों को अधिक मिला है। गांव के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हुई, तो वे संबंधित अधिकारियों के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे। कई ग्रामीणों ने बेकार पड़ी पाइपलाइन को हटाने की मांग भी उठाई है। राजू, अनिल, मुकेश, जगदंबा, रामनरेश, सुभाष, अरविंद, राकेश सहित कई ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर अधूरी परियोजना को शीघ्र पूरा कराने और नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।	सादर अवगत कराना है विकास खण्ड-जलालपुर के अन्तर्गत गुवाव पाकड़ जैनापुर पाइप पेयजल योजना के सम्बन्ध में सहायक अभियन्ता श्री अभिषेक वर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त पेयजल योजना के अन्तर्गत पम्प हाउस, बाउण्ड्रीवाल, सोलर पैनर, 788 नग नल कनेक्शन के सापेक्ष 576 एवं पाइप लाइन 25.203 किमी० के सापेक्ष 23.453 किमी० पाइप लाइन एवं शिरोपरी जलाशय का कार्य 75 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। उक्त योजना के समस्त कार्यों को माह-दिसम्बर-2026 तक पूर्ण कर सभी मजरो में नियमित जलापूर्ति की जाएगी।

भवदीय

अधिशासी अभियन्ता

पृ०सं० एवं दिनांक यथोपरि:-

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

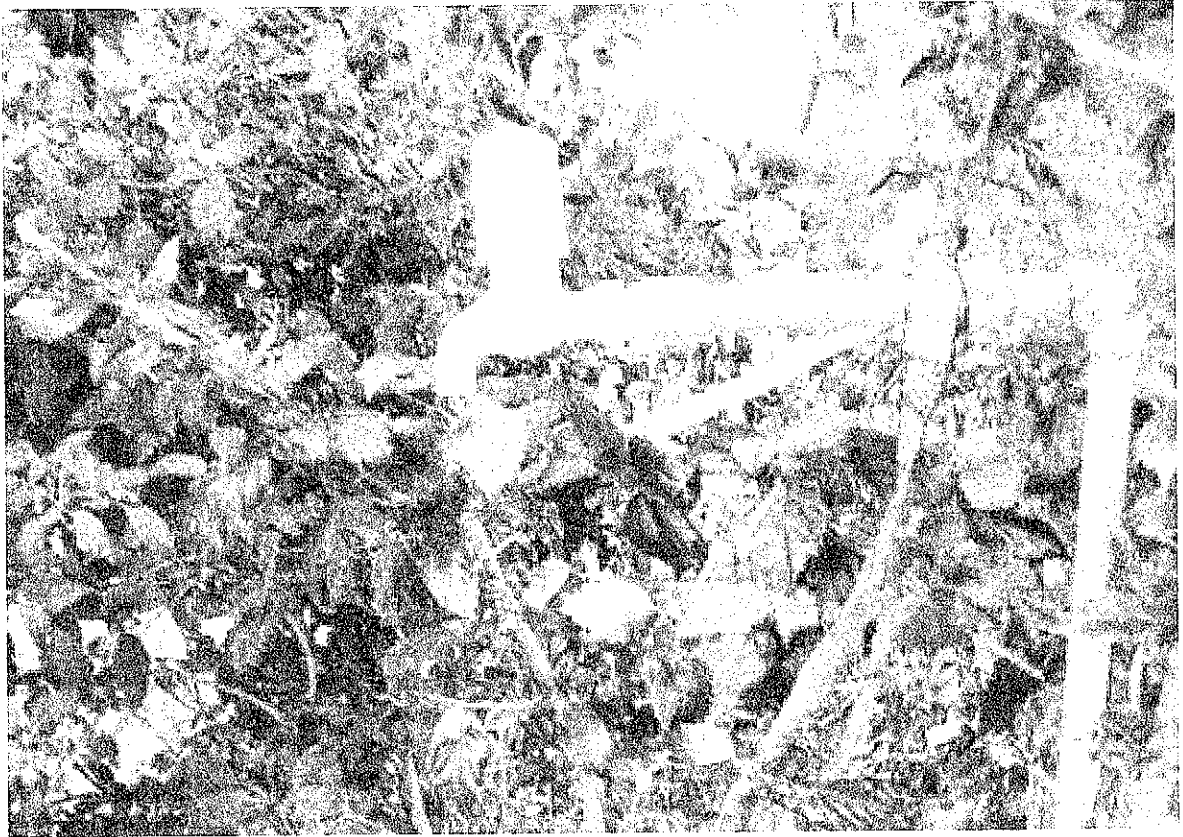
- 1- जिलाधिकारी महोदय अम्बेडकरनगर।
- 2- मुख्य विकास अधिकारी महोदय अम्बेडकरनगर।
- 3- मुख्य अभियन्ता(ल०क्षे०) उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण) लखनऊ।
- 4- अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण) अयोध्या।

अधिशासी अभियन्ता

जैनापुर में करोड़ों तक नहीं पहुंचा पानी

विमलेश द्विवेदी | कनूपुर(जलालपुर),
अम्बेडकरनगर

28 दिन पहले



जैनापुर ग्राम सभा में केंद्र और प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि करोड़ों रुपये खर्च कर गांव में पाइपलाइन बिछाई गई और घर-घर नल लगाए गए, लेकिन दो वर्षों से नियमित पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई है। इसके चलते घरों में लगे नल सिर्फ दिखावा बनकर रह गए हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि कभी-कभार केवल 10 मिनट के लिए पानी आता है, जिसके बाद कई दिनों तक आपूर्ति ठप रहती है। योजना के तहत बनाई जा रही पानी की टंकी भी पिछले दो वर्षों से अधूरी पड़ी है, जिससे पूरे प्रोजेक्ट की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित नहीं की जानी थी, तो घर-घर पाइपलाइन बिछाने का कोई औचित्य नहीं था। उनका तर्क है कि अधिकांश घरों में पहले से हैंडपंप उपलब्ध हैं, जिनसे लोग अपनी दैनिक जरूरतें पूरी कर रहे हैं।

ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि इस योजना का लाभ आम जनता को कम और निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदारों को अधिक मिला है। गांव के लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नियमित जलापूर्ति शुरू नहीं हुई, तो वे संबंधित अधिकारियों के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे। कई ग्रामीणों ने बेकार पड़ी पाइपलाइन को हटाने की मांग भी उठाई है।

राजू, अनिल, मुकेश, जगदंबा, रामनरेश, सुभाष, अरविंद, राकेश सहित कई ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की जांच कर अधूरी परियोजना को शीघ्र पूरा कराने और नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।